सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-६ **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:६ पुस्तक-कीट**

मौखिक कौशल

उ०१) मालती कक्षा में भागी जा रही थी।

उ०२) निर्मला आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।

उ०३) निर्मला की सेहत के बारे में सुलेखा तथा उसकी सहेलियों को चिंता हो रही थी।

उ०४) निर्मला ने 'पेरिस' को अमेरिका की राजधानी बताया था।

उ०५) अध्यापिका घूमने के लिए शिमला जा रही थी।

लिखित कौशल

उ०१) कुसुम और लता ने मालती को बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली निर्मला को अध्यापिका जी ने हॉल में बुलाया है। सुलेखा उसके बारे में उन्हें कुछ बताने वाली है।

उ०२) निर्मला रात- दिन किताबों में घुसी रहती थी। जिससे उसका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। निर्मला की सहेली सुलेखा ने अध्यापिका से इस बारे में बताया तो अध्यापिका ने निर्मला को समझाने के लिए अपने पास बुलाया।

उ०३) सुलेखा ने निर्मला के बारे में अध्यापिका से कहा कि यह रात- दिन किताबों में घुसी रहती है। अपने स्वास्थ्य का ज़रा- सा भी खयाल नहीं है। सहेली होने के नाते इसकी सेहत देखकर हम सबको चिंता हो रही है।

उ०४) अध्यापिका ने निर्मला से भूगोल तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे।

उ०५) अध्यापिका ने निर्मला को आदेश दिया कि तुम दो महीने तक किताबों की सूरत ना देखो। अपनी सब किताबें मेरे पास जमा कर दो और इस अवधि में किसी हिल स्टेशन पर

जाकर रहो। हिल स्टेशन से लौटकर तुम्हें प्रतिदिन एक घंटा घूमना और दो घंटे खेलना होगा। रात में तुम्हें पर्याप्त सोना होगा ।

मूल्यपरक प्रश्न

उ०१) अध्यापिका ने जो दंड निर्मला को सुनाया उससे पता चलता है कि वे छात्राओं से प्रेमवत व्यवहार करती हैं। उनकी डाँट में भी प्यार ही छिपा है। वे निर्मला के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं । इससे पता चलता है कि वे छात्राओं का ध्यान भी रखती हैं।

उ०२) सुलेखा ने एक सहेली ,एक सहपाठी होने का कर्तव्य ईमानदारी से निभाया। उसने सच्चे मित्र और अपने मित्रों का ध्यान रखना जैसे मानवीय मूल्य का परिचय दिया है।

उ०३) विद्यार्थी जीवन में जितना महत्व पढ़ाई का है उतना ही महत्व खेल का भी है, क्योंकि खेल से स्वास्थ्य ठीक रहता है एवं तन और मन दोनों का विकास होता है।